गांधी सेतु के समानांतर नए फोर लेन पुल के निर्माण को मिली मंजूरी

राज्य ब्यूरो, पटना : नई राजधानी के विस्तार एवं आवागमन की सहूलियत की दिशा में पटना एक और महत्वपूर्ण पड़ाव की ओर बढ़ चला है। महात्मा गांधी सेतु के समानांतर नए फोर लेन पुल के निर्माण को केंद्र सरकार के पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड (पीआइबी) ने हरी झंडी दे दी है। अब इसे केंद्रीय कैबिनेट की सहमति के लिए भेजा जाएगा। अनुमानित लागत 2961 करोड़ रुपये है। पुल के डिजायन को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है।

मंजूरी के बाद निकलेगा टेंडर

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मुताबिक कैबिनेट से मंजूरी मिलते ही पुल निर्माण की निविदा प्रक्रिया आरंभ हो जाएगी। पटना के जीरो माइल से हाजीपुर के रामाशीष चौक तक पुल के दोनों छोरों की कुल लंबाई 14.5 किमी होगी, जबकि महात्मा गांधी सेतु के समानांतर 5.63 किमी लंबा होगा।

पुल बन जाने से गंगा के उत्तर में भी होगा राजधानी का विस्तार

2961 करोड़ लागत आएगी निर्माण में

14.5 किमी होगी पुल की कुल लंबाई

5.63 किमी गांधी सेतु के समानांतर होगा लंबा

242 मीटर तक होगा एक्स्ट्रा डोज केबल स्टड पुल का स्पैन

पटना की ओर से एप्रोच रोड होगी एलिवेटेड

डीपीआर के मुताबिक पुल का निर्माण अत्यंत आधुनिक तकनीक से किया जाना है। इससे जलमार्ग के आवागमन में भी सहूलियत होगी। पुल के पटना तरफ के हिस्से की एप्रोच रोड एलिवेटेड है, जो धनुकी मोड़ के पास मुख्य सड़क से मिलेगी। उत्तरी छोर पर यह गांधी सेतु के करीब से शुरू होगा। प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए पहले से 115 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध है, जिसे महात्मा गांधी सेतु के निर्माण के दौरान ही अधिगृहित किया गया था।

पीएम के विशेष पैकेज में शामिल है प्रोजेक्ट : मंत्री

पथ निर्माण मंत्री नंद किशोर यादव ने बताया कि बिहार में सड़क एवं पुल आधारभूत ढांचे की मजबूती के लिए केंद्र सरकार द्वारा घोषित प्रधानमंत्री विशेष पैकेज में यह प्रोजेक्ट शामिल है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा राज्य सरकार ने एलायनमेंट को बहुत पहले ही मंजूरी दे दी है। पुल के बन जाने से राजधानी का विस्तार और विकास गंगा नदी के उत्तर की ओर भी तेजी से होगा। साथ ही उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच आवागमन और सुगम हो जाएगा।